सांध्य दैनिक

स्थापना-वर्ष 1995

# जनमत युग

संपादक : पी.डी. सोनी

सह संपादक : श्याम सोनी

वर्ष : 26 अंक 156 | ग्वालियर, शनिवार 6 अप्रैल 2024 | मूल्य : 2 रुपया, पृष्ठ : 8


# सहारनपुर में बोले मोदी- कानून-व्यवस्था से समझौता नहीं करते योगी

सहारनपुर। एजेंसी

**राहुल और अखिलेश पर तंज- 2 लड़कों की फ्लॉप फिल्म फिर रिलीज हो गई**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सहारनपुर में 37 मिनट तक रैली को संबोधित किया। इस दौरान क्रूने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि क्रके दो लड़कों की फ्लॉप फिल्म फिर से रिलीज हो गई है। अरे काठ की हांडी को इंडी गठबंधन वाले कितनी बार चढ़ाएंगे।

PM ने UP के CM योगी आदित्यनाथ की तारीफ ?भी की। उन्होंने कहा कि योगी जी कानून व्यवस्था में रत्तीभर छूट नहीं देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति पर चलती है। हम देश को झुकने नहीं देंगे। इंडी अलायंस कमीशन के लिए और मोदी मिशन के लिए है।

PM के साथ 3 राज्यों के मुख्यमंत्री मंच पर मौजूद रहे। इनमें क्रके CM योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के ष्टरू नायब सिंह सैनी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल थे।

PM का एक हफ्ते में यह दूसरा UP दौरा है। इससे पहले 31 मार्च को मेरठ में PM मोदी ने चुनावी ऐलान के बाद पहली रैली की थी। सहारनपुर से PM गाजियाबाद जाएंगे। यहां रोड शो करेंगे।

### प्रधानमंत्री बोले-10 साल में जो किया, ये तो सिर्फ ट्रेलर है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचारी गरीबों के सपनों को तोड़ते हैं। आपको लुटते हैं। मैं आपके बेटे बेटियों को बचाने के लिए गालियां खा रहा हूं। मोदी को धमकी दी जा रही है। मेरे देशवासियों यह मोदी है, जो पीछे नहीं हटेगा। 10 साल में जो मोदी ने किया है। ये तो ट्रेलर है। अभी तो बहुत कुछ करना है।

### मोदी बोले- मैं आपके बेटे के भविष्य के लिए गाली खा रहा हूं

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस भारत को आगे नहीं बढ़ा सकती है। आपने मेरा काम देखा है। हर पल देश के नाम। मैं आपको कहता हूं कि 24X7 और 2047 तक मोदी का हर पल आपके नाम, देश के नाम है। इसलिए मोदी कहता है कि आपका सपना मोदी का संकल्प है।

मैं करप्शन पर प्रहार कर रहा हूं, तो यह आपके बेहतर भविष्य के लिए है। भ्रष्टाचारी गरीब के सपनों को लूटते हैं। अधिकारों को रोकते हैं।

आपका बेटा नौकरी के लिए योग्य है, उसकी जगह किसी और को नौकरी दे दी जाए, तो आपका क्या होगा? मैं आपके बेटे के भविष्य के लिए गाली खा रहा हूं।

### मोदी बोले- कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग और थोड़े हिस्से में वामपंथी हावी

पीएम मोदी ने कहा कि यहां के दो लड़कों की, जो फिल्म पिछली बार फ्लॉप हो चुकी है। उसे फिर से रिलीज किया है। अरे काठ की हांडी को इंडी गठबंधन वाले कितनी बार चढ़ाएंगे। जिस कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई लड़ी। दिग्गज महात्मा गांधी का नाम जुड़ा हुआ था।

आज देश एक स्वर से कह रहा है कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस दशकों को पहले समाप्त हो चुकी है। आज जो कांग्रेस बची है, उसके पास कोई नीति नहीं है। कल कांग्रेस ने जिस तरह का घोषणा पत्र जारी किया है। आज की कांग्रेस भारत की आकांक्षाओं से कट चुकी है। उनके घोषणा पत्र में वहीं सोच झलकती है, जो आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग और थोड़े हिस्से में वामपंथी हावी हो चुके हैं। कांग्रेस दूर-दूर तक दिखाई दे रही है।

### प्रधानमंत्री बोले- सपा तो हर घंटे उम्मीदवार बदल रही

मोदी ने कहा कि सपा तो हर घंटे उम्मीदवार बदल रही है। कांग्रेस के हालात और विचित्र है, उसे उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे हैं। जिसे कांग्रेस गढ़ ने टिकट दिया। उसने इस्तीफा दे दिया। इंडी अलांयस अस्थिरता का नाम बन चुका है।

### विरोधी सत्ता पाने के लिए तड़प रहे

मोदी ने कहा कि मैं एक आंकड़ा में आपको देता हूं आप लोग क्या उसे याद रखेंगे? सभी किसानों को बताइएगा। दुनिया के कई देश में यूरिया का एक थैला 3000 रुपए में मिलता है। हमारे यहां किसानों का यूरिया का यह थैला 300 रुपए से भी कम में मिलता हूं।

हम भारत को विकसित देश बनाने के मिशन में जुटे हैं। वहीं, दूसरी तरह हमारे विरोधी सत्ता पाने के लिए तड़प रहे हैं। छटपटा रहे हैं। मैं देश का पहला चुनाव देख रहा हूं, जहां विपक्ष जीत का दावा नहीं कर रहा है। बल्कि विपक्ष इसलिए चुनाव लड़ रहा है कि भाजपा की सीटें 370 और NDA की 400 से कम की जा सके, इसलिए चुनाव लड़ रहा है।

# बंगाल के मेदिनीपुर में NIA टीम पर हमला

## लोगों ने लाठी-डंडे लेकर अफसरों को रोका

**ममता ने पूछा- क्या NIA ने पुलिस से परमिशन ली थी?**

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर ईस्ट के भूपतिनगर में शुक्रवार रात NIA की टीम पर हमला हुआ। इस दौरान एक अफसर को चोटें भी आई हैं। हमला भूपति नगर में हुआ।

भूपतिनगर में NIA टीम के सामने लोग लाठी-डंडे लेकर अड़ गए। NIA की टीम ने जब आरोपियों को ले जाने की कोशिश की, तो लोगों ने उनका विरोध किया। लोगों ने NIA की गाड़ी पर पथराव किया।

कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर NIA टीम भूपति नगर में 2022 में हुए बम धमाके की जांच करने पहुंची थी। पुलिस ने 3 लोगों- बोलाइ मैती, समय मैती, और मानवदत्त जाना को गिरफ्तार किया है।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि NIA अफसरों ने रात में रेड क्यों की? क्या उनके पास पुलिस की परमिशन थी? लोगों ने वैसे ही बर्ताव किया, जैसा रात में किसी भी अनजान व्यक्ति के आने पर किया जाता।

दक्षिण दिनाजपुर में ममता ने कहा कि NIA इलेक्शन से पहले लोगों को गिरफ्तार क्यों कर रही है? क्या भाजपा को लगता है कि वे हर बूथ एजेंट को

गिरफ्तार कर लेंगे। NIA की मदद लेकर भाजपा गंदी राजनीति कर रही है।

2022 में हुए था बम ब्लास्ट, तीन लोगों की जान गई थी

भूपतिनगर में 3 दिसंबर 2022 को एक घर में बम ब्लास्ट हुआ था, जिसमें घर की छत उड़ गई थी। हादसे में तीन लोगों की जान गई थी। पिछले महीने NIA ने इस मामले में पूछताछ के लिए तृणमूल कांग्रेस के आठ नेताओं को समन भेजकर 28 मार्च को न्यू टाउन में NIA ऑफिस बुलाया था।

वहीं, TMC ने इस ब्लास्ट के लिए भाजपा को दोषी ठहराया था। TMC प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा था भाजपा ने TMC नेताओं की एक लिस्ट NIA को दी है। इसके आधार पर NIA इन नेताओं को गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है।

### 5 जनवरी को संदेशखाली में श्वष्ठ टीम पर हमला हुआ था

पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले में 5 जनवरी को ED और CRPF की टीम TMC नेता के घर रेड करने पहुंची थी। इस दौरान भीड़ ने जानलेवा हमला कर दिया। करीब 200 लोगों ने जांच एजेंसी के दो वाहनों में तोड़फोड़ की। इसमें कुछ अफसरों के सिर में चोट आई थीं। ED ने बताया था कि भीड़ ने अधिकारियों के मोबाइल फोन, लैपटॉप, नकदी और बटुए छीन लिए।

### ED पर हमले के केस में शेख शहाजहां गिरफ्तार हुआ

पूर्व TMC नेता शाहजहां शेख को 29 फरवरी को बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया था। शेख की गिरफ्तारी ED पर हमले के केस में हुई थी। बंगाल पुलिस ने कहा था कि शेख ED अफसरों पर हुए हमले के मुख्य आरोपियों में शामिल था।

# जयपुर में सोनिया गांधी बोलीं- मोदी खुद को महान मानते हैं

**लोकतांत्रिक मर्यादाओं का चीरहरण कर रहे, डर बैठा रहे, यह तानाशाही, देश चंद लोगों की जागीर नहीं**

**जयपुर।** कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने जयपुर में कहा कि मोदी खुद को महान मानते हैं। वे लोकतांत्रिक मर्यादाओं का चीरहरण कर रहे हैं, पूरे तंत्र में डर बैठा रहे, यह तानाशाही है। क्योंकि ये देश चंद लोगों की जागीर नहीं है। हमारे पूर्वजों ने इसे खून से सींचा है। ये देश हमारे बच्चों का आंगन है।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित पार्टी की टॉप लीडरशिप ने फिर से चुनावी घोषणा पत्र

लॉन्च किया। इस मौके पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी भ्रष्टाचारियों को अपनी पार्टी में ले रहे हैं।

भाजपा सरकार आते ही राजस्थान में चिरंजीवी योजना बंद हो गई और 25 लाख का बीमा अब 5 लाख हो गया। वहीं, कांग्रेस मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी जहां जाते हैं वहां नया झूठ बोलते हैं। उन्होंने जो गारंटियां दी वे अब तक पूरी नहीं हुई हैं।

जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में हो रही सभा में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि 36 कौम के लोग राजस्थान में ऐसा गुल खिलाएंगे कि मोदी सरकार का मोरिया बोलेगा।

### बिहार-झारखंड समेत 12 राज्यों में हीट वेव राजस्थान-मध्य प्रदेश सहित 7 राज्यों में बारिश हो सकती है, पहाड़ पर बर्फबारी का अनुमान

**नई दिल्ली।** देश के 12 राज्यों में हीट वेव यानी लू का असर शुरू हो चुका है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में तापमान 43 डिग्री तक पहुंच चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में यहां गर्मी और बढ़ेगी।

### सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ी: सुनवाई से एक दिन पहले चिट्ठी सामने आई थी, इसमें कहा- जल्द ही बाहर मिलेंगे

**नई दिल्ली।** दिल्ली के पूर्व डिप्टी CM और आम आदमी पार्टी (AAP) नेता मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 12 दिन तक बढ़ गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें 18 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में ही रहने का फैसला सुनाया है।

दरअसल, शराब नीति केस को लेकर तिहाड़ जेल में बंद सिसोदिया की हिरासत आज (6 अप्रैल) को खत्म हो रही थी। इसे लेकर ही उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था।

इससे पहले मनीष सिसोदिया की तिहाड़ जेल से लिखी चिट्ठी कल सामने आई थी। इसमें उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों से कहा था कि जल्द ही बाहर मिलेंगे।

इसके अलावा 2 अप्रैल को उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई थी। तब सिसोदिया ने कोर्ट से कहा था, मुझे जेल में रखने से कोई फायदा नहीं है। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मेरे खिलाफ जांच पहले ही पूरी हो चुकी है।

# आर्थिकी को गति भी देगा अंधाधुंध चुनावी खर्चआर्थिकी को गति भी देगा अंधाधुंध चुनावी खर्च

**मधुरेन्द्र सिन्हा**

लोकसभा चुनाव आ गये हैं और पूरे देश में हलचल है। राजनीतिक दल, उनके उम्मीदवार और सरकार सभी सक्रिय हैं। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता प्रचार में निकल पड़े हैं और सभाएं होने लगी हैं। बड़े नेताओं के तूफानी दौरे अब शुरू होने वाले हैं। लेकिन जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है कि बड़े पैमाने पर पैसा बंटेगा और लगेगा। एक लोकसभा क्षेत्र में चुनाव में खर्च की एक सीमा तय है और लोकसभा चुनाव में इस बार यह 95 लाख रुपये है जो पिछली बार से कहीं यादा है। लेकिन सचाई है कि खर्च कई गुना यादा होगा। देश में कुल कितना खर्च होने की संभावना है, इस पर बहस जारी है लेकिन अनुमान है कि इस बार यह पिछले लोकसभा चुनाव से दुगना होगा।

वर्ष 2024 में लोकसभा की 543 सीटों के चुनाव के लिए खड़े उम्मीदवार कितना खर्च करेंगे, यह उनके सामर्थ्य, उनकी पार्टियों और इलाके पर निर्भर करेगा। कई चुनाव क्षेत्र बहुत बड़े होते हैं और काफी खर्चीले भी होते हैं। स्वतंत्र संस्था सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के 75-80 चुनाव क्षेत्र ऐसे रहे हैं जहां 2019 के चुनाव में हर निर्वाचन क्षेत्र में खर्च औसतन 40 करोड़ रुपये हुआ जबकि खर्च की सीमा महज 70 लाख रुपये प्रति उम्मीदवार थी। संस्था का कहना है कि उस चुनाव में 60,000 करोड़ रुपये खर्च हुए जो अनुमान से कहीं यादा है। इसके पहले यानी 2014 में आम चुनाव में 30,000 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। दिलचस्प बात यह है कि 1999 में कुल खर्च 10,000 करोड़ रुपये था जिसे उस समय भी बहुत अधिक माना गया था। अब 2024 का यह चुनाव कितना खर्चीला होगा, इसका भी अंदाजा लगाना उचित रहेगा। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस लोकसभा चुनाव में कुल 11.2 खरब रुपये यानी लगभग 14 अरब डॉलर खर्च होंगे। यह राशि पड़ोसी देश पाकिस्तान के कुल सालाना बजट के एक-तिहाई से भी यादा है। और अगर इतना खर्च हुआ तो यह दुनिया का सबसे खर्चीला चुनाव होगा। इसमें सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार की भूमिका होगी। ज़ाहिर है, सत्तारूढ़ दल सबसे यादा खर्च करेगा। कई निर्वाचन क्षेत्रों में रिकॉर्ड खर्च होगा। सरकारी एजेंसियों की रोक-टोक के बावजूद खर्च में कमी नहीं आएगी क्योंकि सवाल फिर वही यानी अस्तित्व का है और कोई भी हारना नहीं चाहता है। हर उम्मीदवार चाहे वह दमदार न हो, बड़ा खर्च करने से बाज नहीं आ सकता है, क्योंकि एक जीत उसकी जिंदगी बदल सकती है। चुनाव में उम्मीदवार तरह-तरह के खर्चों के लिए पैसे लगाते हैं जिनमें कार्यकर्ताओं से लेकर व्यवस्था करने वाले ठेकेदारों को बड़ी राशि मिलेगी। लोकसभा चुनाव में हर उम्मीदवार को हजारों कार्यकर्ताओं की सेवा लेनी होती है। हर बूथ पर कार्यकर्ता रखने से लेकर प्रचार करने तक। वह जमाने गये जब पार्टी या उम्मीदवार के नाम पर कार्यकर्ता खुद ब खुद आ जाते थे और अपना योगदान देते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं होता है, कार्यकर्ता की हैसियत और उसकी ताकत के हिसाब से उसे पैसे मिलते हैं जो वह उस पूरी चुनाव अवधि यानी दो या तीन महीने तक पाता रहता है। यह भी एक तरह का रोजगार है। ऐसे ही पैसे ट्रांसपोर्टरों, रसोइयों, खाने-पीने का सामान बेचने वालों, होटलों-रेस्तरां, प्रिंटिंग प्रेस वालों, संचार साधनों की व्यवस्था करने वालों को भी मिलते हैं। इसकी भी संख्या लाखों में होती है। झंडे-पर्चे की अगर पार्टी ने व्यवस्था कर दी तो ठीक है अन्यथा उम्मीदवार खुद ही उन पर खर्च करता है और यह राशि मोटी होती है। राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों की मदद के लिए कई तरह से खर्च करते हैं। यह सारा खर्च लगातार बाज़ार में पहुंचता रहता है। ऐसे ही एक अवधि तक लगातार पैसे खर्च होते रहते हैं और फिर अर्थव्यवस्था में ही जाते हैं ऐसा नहीं है कि चुनाव में सिर्फ उम्मीदवार, राजनीतिक दल या उनके समर्थक ही पैसा खर्च करते हैं। सरकारें भी बड़े पैमाने पर खर्च करती हैं। कर्मचारियों तथा पैरा मिलिट्री फोर्सेज के जवानों की तैनाती, उनके खाने-पीने से लेकर वाहनों की व्यवस्था पर सरकारें बड़े पैमाने खर्च करती हैं। इसके अलावा भी अन्य तरह के सामानों की खरीद की जाती है जिस पर भारी खर्च आता है। यह खर्च भी अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन जाता है। खरीदारी और खपत बढ़ती जाती है। भारतीय अर्थव्यवस्था खपत पर आधारित है और इसका विकास खपत पर ही निर्भर करता है। आपको याद होगा कि श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में यह बात कही थी कि देश में घरेलू खपत बढ़ने से अर्थव्यवस्था पर अछा असर पड़ा है। जीडीपी के विकास की दर बढ़ी है। पूंजी प्रवाह से ही हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ती है। इस बार इतना धन आ रहा है कि इसका असर निश्चित रूप से पड़ेगा। चुनाव जैसे मामले में जहां पैसा संबद्ध लोगों को मिलता है वहां खर्च भी तेजी से होता है। इस धन का बड़ा हिस्सा व्हाइट मनी नहीं होता है और चंदे वगैरह के रूप में आता है जो बैंकों वगैरह में फिर जमा नहीं होता है बल्कि सीधे खर्च कर दिया जाता है खर्च करने की यह प्रक्रिया अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में तेजी लाती है। चुनाव में लाखों लोगों को अस्थायी रोजगार मिलता है और उनके पारिश्रमिक का पैसा भी खर्च होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां नकदी का प्रवाह कम होता है वहां चुनाव के समय काफी हलचल रहती है क्योंकि उम्मीदवारों या पार्टियों का पैसा उन तक पहुंचता है। यह उनके काम आता है और वे खरीदारी करते हैं तथा खपत बढ़ाते हैं। यह सरकारी योजना मनरेगा की ही तरह है जहां उन्हें थोड़े समय के लिए ही सही पारिश्रमिक मिलता है और उनके खर्च पूरे करने में काम आता है। यह खपत बड़े पैमाने पर होती है और इससे काफी पैसा इधर से उधर होता है। इससे बाजारों में तेजी आ जाती है बेशक यह अस्थायी है लेकिन इसका असर दूरगामी होता है। कई मामलों में इसका असर चक्रीय भी होता है। कुछ क्षेत्रों में यह फिर निवेश की तरह काम करता है जिसके अपने फायदे हैं। इस बार संभावना है कि इतनी बड़ी राशि यानी 14 अरब डॉलर तक खर्च हो सकता है। यह राशि पाकिस्तान के सालाना बजट का एक-तिहाई है और यह अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों पर असर डालेगा। इसका सकारात्मक असर अवश्य दिखाई देगा और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इंतजार कीजिये चुनाव खत्म होने का।

# मुट्ठी में खिलौना इंसान इससे भी बौना

**धर्मेंद्र जोशी**

मोबाइल मनुष्य का मीत है, जीवन का गीत है, बजता हुआ मधुर संगीत है, रिश्तों को निभाने की आधुनिक रीत है, घर के एक कमरे में समाहित समग्र प्रकृति है, चेहरे का नूर और शरीर की शक्ति है, सामाजिक स्तर को नापने की इकाई और मन की तृप्ति है। मोबाइल लाइक, कमेंट्स न मिले तो करारी हार और सैकड़ों में इनायत हो जाए तो बड़ी जीत है। अफवाह और बिना प्रमाण खबरें फैलाने की फैक्टरी तो झूठ परोसने की प्रबल युक्ति है। जब एक बार रील देखने के लिए व्यक्ति बैठ जाये तो मनोरंजन की मिसाल और विरोध करने पर आ जाए तो आदर्श अभिव्यक्ति है। इतना ही नहीं, जब लोग हाथ का काम छोड़ इसके आदी हो जायें तो वर्तमान की प्रगति है। मोबाइल फिसलन भरी राह है, बच्चों से लेकर बूढ़ों तक का उत्साह है। मोबाइल परिजन-सा अपना है, हमेशा संग रहे बस यही सपना है। मोबाइल सबका संगी है साथी है, यह एक खर्चीला हाथी है। मोबाइल लाड है, दुलार है, यह ज़न-ज़न के मन की पुकार हैं। मोबाइल से फैली चहुंओर खामोशी है। घरों के कमरे सुनसान हैं, न बचों का शोर न हंसी मजाक है। मोबाइल पर घंटों गुफ़्तगू करते मगर मन के कोने अभी भी खाली हैं, सूखी होली और सूनी दिवाली है।

मोबाइल ध्यान है, अकेलेपन में बिखरी मुस्कान है। आम आदमी के लिए पैसे खर्च करने की महंगी दुकान है। दो दूर बैठे दिलों को मिलने का अरमान है। घर की हालत भले ही पतली हो, मगर लखटकिया मोबाइल हाथों की शान है। नये-नये प्रेमियों के लिए सारा जहान है। घंटों कानों में ईयर फोन लगाए बतियाना समाज में मान है, सम्मान है, मोबाइल मनभावन राग है, स्नेह का अनुराग है, वसंत है, फाग है। मोबाइल यूं तो बहुत जहीन है, लेकिन वैचारिक कचरे का डस्टबीन है। सामाजिकता का दुश्मन है, इससे सम्मोहित ज़न-ज़न है। छोटे-छोटे बचे पढ़ाई से विरक्त हैं, फिर भी मोबाइल के बहुतेरे भक्त हैं। दफ्तर में बैठा बाबू न जाने कब मोबाइल में खो जाता है और मेरा देश तरक्की की राहों में सो जाता है। मोबाइल दिखता खिलौना है, मगर इसके आगे आज आदमी खिलौना है, बहुत ही संकुचित और बौना है।

मोबाइल फरिश्ता है, अनजाने लोगों से प्रगाढ़ रिश्ता है। मोबाइल महबूब का भेजा गुलदस्ता है। मोबाइल एक उमंग है। किसी गहरे नशे-सी तरंग है। मोबाइल उम्मीद है, आस है, बौनी तरक्की का बड़ा अहसास है। मोबाइल एक आदत है, लत है। इससे गहरा जुड़ाव आज का अंतिम सत्य है। मोबाइल जादू है, करिश्मा है, इसकी बदौलत आंखों पर चश्मा है। मोबाइल जीने का जुनून है। रात सिरहाने रखा हो तो पुर सुकून है। मोबाइल इल्म है, एक जीती-जागती फिल्म है। मोबाइल को एकांत भा गया, यह हमारे बचों का बचपन खा गया। यह सबके मन-मस्तिष्क पर घने कोहरे-सा छा गया। मोबाइल से प्रीत बढ़ी तो खेल छूट गए। बचे पढ़ाई से हुए विमुख और भाग्य रूठ गए। मोबाइल एक गम्भीर बीमारी, आज मेरी तो कल तुम्हारी बारी है। मोबाइल एक तिलस्मी यंत्र है। ये रिश्तों में दूरी बढ़ाने का आधुनिक षड्यंत्र है। मोबाइल दिमाग फिरा देता है, यह चलते राह लोगों को नीचे गिरा देता है। मोबाइल दुनिया जहां से रिश्ते जोड़ लेता है मगर स्नेह के नाजुक धागों को तोड़ देता है। मोबाइल से गलतफहमी भी बढ़ी है। न जाने किसने क्या लिखा, न जाने किसने क्या पढ़ा और न जाने किसने क्या कहानी गढ़ी है।

## भूकंप संग जीना

बीते बुधवार को ताइवान ने पिछले पचीस साल में आए सबसे तेज भूकंप का सामना किया। निश्चित रूप से भूकंप से हमारे संरचनात्मक विकास सड़क, पुल व सार्वजनिक निर्माण को क्षति पहुंचती है। लेकिन ताइवान ने पिछले भूकंपों से हुई मानवीय त्रासदी से सबक लेकर जिस तरह जनधन की हानि को कम किया है, वह काबिले तारीफ है। इस भूकंप में गिनती के लोगों को जान गंवानी पड़ी। बड़ी बिल्डिंगें हिली मगर क्षति मामूली हुई। दरअसल, ताइवान ने आधुनिक तकनीक व कुशल अग्रिम सूचना की व्यवस्था से आपदा से होने वाली क्षति को टाला है। भूकंप के केंद्र उत्तरी तट पर स्थित ख्वालिएन में 7.4 तीव्रता के भूकंप से क्षति स्वाभाविक थी, लेकिन सुनियोजित राहत व बचाव से जनक्षति को कम किया जा सका। सुरंगों व इमारतों में फंसे लोगों को बचाने का काम तत्परता से किया जा रहा है। जहां तक इस पहाड़ी इलाके में भूस्खलन का सवाल है तो मानव उसे टाल नहीं सकता। भूकंप से बचाव के ताइवानी सिस्टम बेहतर ढंग से काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जापान आदि पड़ोसी देशों ने भूकंप के बाद सुनामी की अग्रिम सुरक्षा चेतावनी जारी कर दी। दरअसल भूकंप से होने वाली क्षति इस बात पर निर्भर करती है वह किस समय आया। बुधवार को आया भूकंप सुबह आया, यदि यह देर रात या तड़के आता तो क्षति यादा हो सकती थी। यद्यपि ताइवान में भी सड़क व रेल परिवहन प्रभावित जरूर हुआ है। दरअसल, सितंबर 1999 में ताइवान में आए 7.6 तीव्रता के भूकंप में करीब ढाई हजार लोगों की मौत हुई थी और करीब पांच हजार इमारतें क्षतिग्रस्त हुई थीं। जिसके बाद वहां भवन व सार्वजनिक निर्माण में सुरक्षा मानकों को गंभीरता से लिया गया। इन मानकों का पालन अनिवार्य रूप से किया गया और सख्ती से उसकी निगरानी की गई। सरकारों की सजगता व नागरिकों की जागरूकता ने इस संकट का मुकाबला करना सीख लिया। वहीं हमारे सामने जापान दुनिया का अकेला ऐसा देश है जो इतने बड़े भूकंपों के बाद नुकसान कम करने में सफल रहा। दरअसल, मनुष्य को भूकंप से यादा हमारे निर्माण कार्य की गुणवत्ता की कमी और नियमों की अनदेखी मारती है। भारत में भूकंप से बचाव के लिये पर्याप्त अनुसंधान हुए और सुरक्षित घरों के लिये कोड बने हैं। लेकिन संकट उनके ईमानदारी से क्रियान्वयन तथा आर्थिक संसाधनों के अभाव का है। घर खरीदने वाले लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने वाले बिल्डर इन मानकों का इस्तेमाल करने से गुरेज करते हैं क्योंकि इसे लागू करने से उनका मुनाफा कम हो जाता है। गरीब व्यक्ति जैसे-तैसे मकान तो बना लेता है लेकिन भूकंप के मानकों का इस्तेमाल नहीं कर पाता। सरकारी गंभीरता भी नजर नहीं आती। सरकारों की प्राथमिकता आपदा के बाद राहत सामग्री व मुआवजा बांटने में होती है। समय रहते भवन निर्माण में भूकंप से बचाव के कोड लागू करवाने में संबंधित विभाग लगातार आपराधिक लापरवाही दर्शाते रहते हैं। हमें जापान से सबक लेना चाहिए जिसने भूकंप के साथ जीना सीख लिया है। वर्ष 2011 में भयावह नौ तीव्रता के भूकंप

# न्याय पत्र को सीएम ने बताया चुनावी कर्मकांड, बोले- हारी हुई लड़ाई लड़ रही है कांग्रेस

**भोपाल। (न.सं.)**

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस के न्याय पत्र पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि चुनाव की दृष्टि से कांग्रेस का घोषणा पत्र एक चुनावी कर्मकांड है। पार्टी मध्य प्रदेश समेत पूरे देश में एक हारी हुई लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस ने शुक्रवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया है। इसे न्याय पत्र का नाम दिया है। इस पर डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस भले ही अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र कह रही हो, वह अन्याय के पहाड़ पर बैठी हुई है। कांग्रेस ने पूरे देश के किसान, गरीब, मजदूर, युवा सबके साथ अन्याय करते हुए अपना समय गुजारा है। कांग्रेस के मुंह से न्याय शब्द शोभा नहीं देता। उन्होंने महिलाओं के साथ अन्याय किया। मध्य प्रदेश की 29 सीटों में से कांग्रेस ने केवल एक सीट पर महिला उम्मीदवार को खड़ा

किया है। इसके उलट भाजपा ने छह सीटों पर महिला प्रत्याशी उतारी हैं। डॉ. यादव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की हिस्सेदारी परिवार से बाहर नहीं आने दे रही। कांग्रेस के सभी बड़े नेता और विपक्ष के नेता, इंडिया गठबंधन के सब लोग अपने परिवार से बाहर किसी की हिस्सेदारी बर्दाश्त नहीं करते। उन्होंने गरीब, मजदूर, युवा के साथ कौन-कौन से घोटाले नहीं किए? कांग्रेस ने कभी गरीब, किसान, मजदूर के हक का पैसा कभी उनके खाते में नहीं जाने दिया। खुद कांग्रेस के प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि हम एक रुपया भेजते हैं तो 15 पैसा पहुंचता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में योजनाओं का पूरा का पैसा हितग्राहियों को पहुंच रहा है। पूरा प्रदेश मोदीमय है। मोदी जी के नेतृत्व में पूरे देश में एक अलग माहौल है। भाजपा को 400 पर ले जाने की हवा चल रही है। डॉ. यादव ने राहुल गांधी के संविधान बचाओ के नारे पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जिसने संविधान का मखौल उड़ाया, जिनके पुरखों ने संविधान में संशोधन कर मूल स्वरूप को विकृत किया, धारा 370 के माध्यम से पूरे देश में कश्मीर में अलग छवि बनाई, जिसके कारण 40 हजार से यादा लोगों के प्राण गए, उनसे क्या उम्मीद की जा सकती है। मोदी जी ने धारा 370 हटाकर संविधान का मान बढ़ाया है। भारत की एकता और अखंडता को मजबूत किया है। कांग्रेस कुछ भी कहे, उन्हें सुनने वाला कोई नहीं है महाकाल लोक में एफआरपी की प्रतिमा को लेकर भी डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि श्री महाकाल लोक निर्माण के टेंडर में कांग्रेस ने गलती की। उन्हें मंदिर व्यवस्था की समझ नहीं है। कांग्रेस के शासनकाल में महाकाल मंदिर का टेंडर हुआ था। जो एफआरपी की प्रतिमा बनाई गई थी वो काल के प्रवाह में दोबारा बनानी पड़ी। मुझे इस बात का संतोष है कि प्रदेश के संस्कृति मंत्रालय ने प्रस्ताव किया है कि मंदिर के अंदर पत्थर की ठोस प्रतिमा लगानी चाहिए। पहले जो हुआ, वह एक प्रकार की कल्पनाशीलता थी। इस कारण से तत्कालीन समय में एफआरपी की प्रतिमा रखी गई थी। बाद में कार्यशाला लगाकर उपक्रम चालू किया गया। इसमें ठोस पत्थर की प्रतिमा बनेगी। ये एक दिन में नहीं बन सकती। इसके लिए लंबा समय लगेगा। अभी जो एफआरपी की प्रतिमाएं लगी हैं, उसे शहर के चौक-चौराहों पर लगाकर शहर के सौंदर्यीकरण में लिया जाएगा। महाकाल मंदिर में ठोस पत्थर की प्रतिमा लगाई जाएगी। पूरे देश दुनिया में जहां भी हिंदू मंदिर बनते हैं, वहां पत्थर की प्रतिमा बनती है। कांग्रेस को ये बात मालूम नहीं थी।

## खाना खाने के बाद टहलने निकले बुजुर्ग की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

**इंदौर।** इंदौर के लसुड़िया क्षेत्र में ट्रेन की टक्कर से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। वे रात को खाना खाने के बाद रेल पटरी के आसपास तफरी कर रहे थे। इसी दौरान ट्रेन की चपेट में आ गए। देर रात जब बुजुर्ग घर नहीं पहुंचे तो बेटा उन्हें खोजने के लिए निकला, कुछ देर बाद उनका शव रेलवे क्रॉसिंग के पास मिला लसुड़िया पुलिस ने बताया कि गणेश पिता दुलारचंद चौहान की ट्रेन की टक्कर से मौत हो गई। वे रात को साढ़े 9 बजे खाना खाने के बाद घर से घूमने के लिए निकले थे। परिजनों ने बताया कि वे रोज रात को टहलने के लिए जाते थे। गुरुवार को भी खाना खाने के बाद निकलने थे, लेकिन रात 12 बजे तक वापस नहीं आए तो उनकी चिंता होने लगी। इसके बाद राहुल पड़ोस में रहने वाले पप्पू के साथ उन्हें खोजने के लिए निकला। कुछ देर बाद गणेश उन्हें रेलवे पटरी के पास लहुलुहान हालत में दिखाई दिए। उनकी सांस भी नहीं चल रही थी। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस सुसाइड के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। हालांकि, परिजनों ने कहा कि उन्हें किसी तरह का तनाव नहीं था, न ही कोई बीमारी थी।

## होली पर हुए अग्निकांड से ले रहे सबक महाकाल दर्शन व्यवस्था में होगा बड़ा बदलाव

**उज्जैन।** 25 मार्च 2024 सोमवार को विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में होली पर्व पर हुए अग्निकांड से सबक लेकर जिम्मेदार अधिकारी मंदिर की दर्शन व्यवस्था में अब ऐसे बड़े बदलाव करने वाले हैं, जिससे कि ऐसी घटनाओं की आने वाले समय में पुनरावृत्ति ना हो और इसके साथ ही श्रद्धालुओ को भगवान के सरल सुलभ दर्शन हो सकें। कलेक्टर एवं श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नीरज कुमार सिंह ने अमर उजाला से चर्चा के दौरान बताया कि होली पर्व पर श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में आग की जो घटना घटित हुई वह दुर्भाग्यपूर्ण थी। हम इस मामले में हर बिंदु पर पड़ताल कर रहे हैं।

# मुस्लिम बहनों को मोहन भैया की ईदी

## पांच दिन पहले खाते में आई योजना की राशि

**भोपाल। (न.सं.)**

मध्यप्रदेश की मुस्लिम बहनों को उनके भैया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ईद से पहले ईदी (ईद का नजराना) दे दी है। प्रदेश की लाड़ली बहना योजना की राशि इसके लिए निर्धारित 10 तारीख से पांच दिन पहले यानी पांच अप्रैल को ही जारी कर दी गई है। इसको लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ट्वीट कर जानकारी दी है। इस पहल पर लगे हाथ पूर्व मुख्यमंत्री और लाड़ली बहना योजना के सूत्रधार रहे शिवराज सिंह चौहान ने सीएम का आभार भी मान लिया और साथ ही

लाड़ली बहनों को बधाई भी दी है मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को ट्वीट कर लाड़ली बहनों को बधाई दी है। उन्होंने लिखा है कि बहनों के खाते में उनकी मासिक राशि 1,250 रुपये इस बार पांच दिन पहले ही अंतरित की जा रही है। डॉ. यादव ने लाड़ली बहनाओं को आश्वस्त भी किया है कि योजना को यह राशि उनके खातों में नियमित रूप से आती रहेगी ईद से पहले मिला 1,250 रुपये का तोहफा पाकर मुस्लिम महिलाओं में खुशी का संचार हुआ है।

## गले में पहना आईकार्ड एक्टिवा के हैंडल में फंसा, फंदा कसने से छात्रा की मौत

**इंदौर।** गले में पहने आईकार्ड की वजह से एक छात्रा की मौत हो गई। चलती गाड़ी पर आईकार्ड से उसे फंदा कस गया और उसने दम तोड़ दिया। मामले को देख पुलिस और डॉक्टर भी हैरत में है। घटना छोटा बांगड़दा रोड की है। यहां पर करीब 10.30 बजे सामने से आए ई-रिक्शा से सेजल (19) पिता राकेश जटिया निवासी उमंग पार्क कॉलोनी की टक्कर हो गई। सेजल गुरुवार सुबह होलकर कॉलेज जा रही थी। ई-रिक्शा से टक्कर में छात्रा के गले में टंगा आईकार्ड उसी की एक्टिवा के हैंडल में फंस गया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। एरोड्रम पुलिस के अनुसार, हादसा शीतला माता मंदिर के सामने हुआ है। शैजल कॉलेज के फर्स्ट ईयर में थी और डॉक्टर बनने के लिए नीट की तैयारी कर रही है। वह प्राइवेट नौकरी भी करती थी। उसके परिवार में माता-पिता के अलावा दो बहन और एक भाई है। पिता उज्जैन ईओडब्ल्यू ऑफिस में कॉन्स्टेबल हैं। प्रत्यक्षदर्शी गिरीश देवड़ा ने बताया सेजल हमारे ठीक पीछे एक्टिवा से चल रही थी। उसने गले में आई-कार्ड पहन रखा था। मैं बेटी को कॉलेज छोड़ने जा रहा था। सेजल को सामने से आ रहे ई-रिक्शा से टक्कर लगी। टक्कर के बाद रिक्शा आगे बढ़ गया और उसकी एक्टिवा लड़खड़ा गई। इसी दौरान सेजल का आईकार्ड एक्टिवा के हैंडल में फंस गया। वह थोड़ी दूर तक गई और फंदा कसने से फिर से लड़खड़ाई। इसके बाद उसका सिर एक्टिवा के मास्क पर टकराया। वह गिर पड़ी और उसके सिर से खून निकलने लगा। मैंने गाड़ी रोकी तो आई-कार्ड उसके गले में ही फंसा हुआ था।

# छिंदवाड़ा सीटः एक उपचुनाव को छोड़ 73 वर्षों से कांग्रेस और 44 सालों से कमलनाथ के कब्जे में

**भोपाल। (न.सं.)**

मध्य प्रदेश की छिंदवाड़ा लोकसभा सीट, एक उपचुनाव को छोड़ कर पिछले 73 वर्षों से कांग्रेस के कब्जे में है। इसमें से भी करीब 44 सालों से यह सीट कमलनाथ व उनके परिवार के कब्जे में है। इस पर जीत हासिल करने के लिए भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस बार ऐड़ी-चोटी का जोर लगा रहा है। प्रदेश में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चुनाव सिर्फ छिंदवाड़ा में ही हो रहा है। भाजपा के अध्यक्ष जे.पी. नडडा भी छिंदवाड़ा दौरे पर जाने वाले हैं। भाजपा के

वरिष्ठ नेता व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय लगातार छिंदवाड़ा के दौरे पर कार्यकर्ताओं से मिलकर चुनावी रणनीति में व्यस्त रहते हैं। छिंदवाड़ा से कांग्रेस के उम्मीदवार पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता कमलनाथ के वर्तमान सांसद पुत्र नकुल नाथ हैं तो भाजपा से विवेक बंटी साहू चुनाव मैदान में हैं। छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र में सात विधानसभा क्षेत्र आते हैं। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव 2023 में छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र की सातों सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा किया था। यदि इन सातों सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों के जीत के अंतर को देखें तो सभी सीटों पर कांग्रेस ने 97 हजार 646 मतों की बढ़त प्राप्त की थी। ऐसे में लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए पहला काम इस लीड को पूर्ण करना और विजय की राह बनाना है। छिंदवाड़ा कांग्रेस का अभेद किला है, जो पिछले 73 वर्षों से कांग्रेस की झोली में है। मात्र एक वर्ष 1997 में यह संसदीय सीट भाजपा के पास रही। छिंदवाड़ा सीट पर कांग्रेस का कुल 73 वर्षों से और पिछले 26 वर्षों से तो लगातार कब्जा है। 1997 में प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा ने कमलनाथ को उपचुनाव में पराजित कर कांग्रेस का यह किला भेदा था। पटवा की छिंदवाड़ा से विजय प्रदेश में कांग्रेस की सत्ता के रहते हुई थी, उस वक्त प्रदेश में मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह थे। कमलनाथ कांग्रेस के ऐसे नेता हैं, जिन्होंने कांग्रेस की तीन पीढ़ियों के साथ यानि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और अब राहुल गांधी के साथ कार्य किया है।

## नवविवाहित जोड़े ने एक साथ लगाई फांसी, पत्नी की मौत

**इंदौर।** शादी को एक साल ही हुआ और पति पत्नी ने एक साथ फांसी लगा ली। पत्नी की मौत हो गई है और पति की हालत गंभीर है। पति का एमवाय अस्पताल में इलाज चल रहा है। इंदौर के सिमरोल में नवविवाहित जोड़े द्वारा फांसी लगाने की घटना से सभी स्तब्ध हैं। पुलिस के मुताबिक सिमरोल की पायल परमार (19) और उसके पति विनोद (22) ने गुरुवार को एक साथ फांसी लगा ली। ये दोनों सिमरोल के जोशी गुराड़िया में रहते थे। शाम को परिवार के लोग दोनों को खंडवा रोड स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां प्राथमिक उपचार के दौरान डॉक्टरों ने पायल को मृत घोषित कर दिया जबकि पति विनोद को एमवाय में वेंटिलेटर पर रखा है। परिवार ने बताया कि अप्रैल में पिछले साल राम नवमी पर दोनों की शादी हुई थी।

# ग्रीष्म ऋतु में शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के संबंध में समय रहते सभी प्रबंधन किए जाएँ -संभागीय आयुक्त

## ग्वालियर संभाग के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के संबंध में आयोजित हुई समीक्षा बैठक

**ग्वालियर।** ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में नागरिकों को शुद्ध एवं निर्धारित मात्रा में पेयजल की आपूर्ति हो, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर अपने स्तर से प्रत्येक सप्ताह पेयजल आपूर्ति की समीक्षा भी करें। ग्रामीण क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत जो परियोजनायें पूर्ण हो गई हैं, उनके माध्यम से भी नागरिकों को पानी मिलना शुरू हो, यह भी सुरक्षित किया जाए। संभागीय आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने शुक्रवार को ग्वालियर संभाग में पेयजल आपूर्ति की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए हैं।

संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित हुई समीक्षा बैठक में ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री हर्ष सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री विवेक कुमार, मुख्य अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री आर एल एस मौर्य सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक के दौरान ग्वालियर संभाग के अन्य जिलों के कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, नगरीय निकाय के अधिकारी और लोक स्वास्थ्य

यांत्रिकी विभाग के अधिकारी भी गूगल मीट के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। संभागीय आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने ग्रामीण क्षेत्र की समीक्षा के दौरान कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित नल-जल योजनायें एवं हैंडपम्प चालू हालत में रहें, इसके लिये निरंतर मॉनीटरिंग की जाए। जिन नल-जल योजनाओं और हैंडपम्पों में सुधार की आवश्यकता है उनके सुधार का कार्य भी युद्ध स्तर पर किया जाए। संभाग के सभी जिलों में जल जीवन मिशन के तहत जिन ग्राम पंचायतों में कार्य पूर्ण हो गया है उनको हैंडओवर करने तथा योजना के माध्यम से ग्रामीणों को पानी की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जहाँ पर भी आवश्यक हो वहाँ पर नए ट्यूबवेल खनन एवं हैंडपम्प खनन की कार्रवाई भी जिला स्तर से सुनिश्चित की जाए।

संभागीय आयुक्त डॉ. खाड़े ने संभाग के सभी जिला कलेक्टरों से कहा है कि जिला स्तर पर पेयजल वितरण के लिये तैयार की गई कार्ययोजना की समीक्षा और उसके क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें। सीईओ जिला पंचायत भी प्रत्येक जनपद स्तर पर जाकर पेयजल आपूर्ति की समीक्षा कर व्यवस्थाओं को और बेहतर करने की दिशा में कार्य करें। इसके साथ ही जिन गाँवों में पेयजल की स्थिति ठीक नहीं है वहाँ पर निजी बोर अधिग्रहण की कार्रवाई भी समय रहते कर ली जाए। इन गाँवों में परिवहन की आवश्यकता होगी तो उसे भी चिन्हित कर समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के विभागीय अमले को निरंतर क्षेत्र में भ्रमण कर संसाधनों के संधारण का कार्य करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिला स्तर पर गठित कंट्रोल रूम एवं सीएम हैल्पलाइन के माध्यम से पेयजल वितरण के संबंध में प्राप्त होने वाली शिकायतों का निराकरण भी समय पर हो। इसके साथ ही शिकायतों के निराकरण की समीक्षा भी जिला स्तर पर प्रति सप्ताह की जाए। संभागीय आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने बैठक में यह भी निर्देश दिए हैं कि पेयजल वितरण के लिये पानी की शुद्धता की जाँच भी सभी जिलों में समय-समय पर कराई जाए ताकि लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। विद्युत आपूर्ति के कारण बंद नलजल परियोजनायें शीघ्र प्रारंभ हों, इसके लिये विद्युत विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती रुचिका चौहान ने बैठक में बताया कि जिला स्तर पर पेयजल आपूर्ति की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के लिये सभी तैयारियाँ कर ली गई हैं। नगर निगम आयुक्त श्री हर्ष सिंह ने बताया कि ग्वालियर शहर में एक दिन छोड़कर पेयजल आपूर्ति की जा रही है। इसके साथ ही अवर्षा की स्थिति में जल संसाधन विभाग के माध्यम से ककैटो बांध से पहसारी एंव पहसारी बांध से तिघरा जलाशय तक फीडिंग कैनाल के माध्यम से पेयजल लाने हेतु 18 करोड़ 15 लाख रूपए का प्रस्ताव तैयार कर तकनीकी स्वीकृति सहित प्रशासनिक स्वीकृति हेतु प्रेषित किया गया है। शहरी क्षेत्र स्तर पर कंट्रोल रूम एवं सीएम हैल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों का निराकरण भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

# एसडीएम सहित अन्य अधिकारियों ने किया विभिन्न प्रायवेट स्कूलों का निरीक्षण

**ग्वालियर।** विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को किसी दुकान विशेष से यूनीफॉर्म, कॉपी-किताबें व अन्य स्टेशनरी खरीदने के लिये निजी स्कूलों द्वारा बाध्य करने संबंधी शिकायतों की जाँच के लिये जिला प्रशासन के दलों द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इस कड़ी में शुक्रवार को संबंधित एसडीएम के नेतृत्व में गए दलों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के विभिन्न निजी स्कूलों का औचक निरीक्षण किया गया।

ज्ञात हो नए शिक्षा सत्र के शुरू होने के बाद जिला प्रशासन के दलों द्वारा पिछले दिनों से लगातार किताबों व स्टेशनरी दुकानों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में निजी स्कूलों का निरीक्षण भी जिला प्रशासन के दल कर रहे हैं।

शुक्रवार को एसडीएम मुरार श्री अशोक चौहान द्वारा सेंटपॉल स्कूल व विद्या भवन्स विद्यालय का निरीक्षण किया गया। इसी तरह एसडीएम झाँसी रोड श्री विनोद सिंह ने ग्वालियर ग्लोरी स्कूल और एसडीएम भितरवार श्री डी एन सिंह ने भितरवार के एसआईटीएम स्कूल का निरीक्षण किया। इसके अलावा अन्य टीमों द्वारा डीपीएस स्कूल सहित जिले के अन्य निजी स्कूलों का निरीक्षण किया गया।

# बेशकीमती 13 बीघा सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई

## लगभग 16 करोड़ 30 लाख रूपए बाजार मूल्य की है जमीन

**ग्वालियर।** जिले में शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान जारी है। इस कड़ी में शुक्रवार को विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) की लगभग 10 बीघा व बाबा कपूर दरगाह से जुड़ी बेशकीमती लगभग 3 बीघा सरकारी माफी की जमीन से बेजा कब्जे हटाए गए। एसडीएम ग्वालियर सिटी श्री अतुल सिंह के नेतृत्व में गई जिला प्रशासन, नगर निगम, साडा व पुलिस की संयुक्त टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन का बाजार मूल्य लगभग 16 करोड़ 30 लाख रूपए आंका गया है।

एसडीएम ग्वालियर सिटी श्री अतुल सिंह ने बताया कि साडा के सर्वे क्रमांक-630, 656 व 628/2 की लगभग 10 बीघा सरकारी जमीन पर भू-माफियाओं द्वारा 43 भू-खण्डों पर अवैध रूप से कंक्रीट ङ्क लोहे के पिलर व नीम भरकर दीवारें बना ली गईं थीं। संयुक्त टीम ने शुक्रवार को नगर

निगम के मदाखलत दस्ते व जेसीबी मशीनों की मदद से इन सभी अतिक्रमण ध्वस्त कर बेजा कब्जे हटा दिए गए हैं। इसी तरह दरगाह बाबा कपूर से जुड़ी तीन बीघा बेशकीमती शासकीय जमीन से बेजा कब्जे हटाए गए। साडा के अधिकारियों को अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन को सुरक्षित कर साडा की शासकीय भूमि होने से संबंधित बोर्ड प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए गए हैं। अतिक्रमण हटाने के लिये गई टीम में अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिकरवार, नायब तहसीलदार श्री सतेन्द्र सिंह तोमर व श्री लाल सिंह राजपूत, नोडल अधिकारी मदाखलत नगर निगम श्री अतिबल सिंह यादव, थाना प्रभारी बहोड़ापुर श्री जितेन्द्र सिंह तोमर व थाना पुरानी छावनी श्री विनय तोमर सहित दोनों थानों का पुलिस बल तथा साडा के उप यंत्री श्री नवल सिंह राजपूत सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी व नगर निगम का मदाखलत दस्ता शामिल था।

## कांग्रेस को फिर बड़ा झटका

# जीतू पटवारी के नजदीकी डॉ. दिलीप समाधिया भाजपा में शामिल

**ग्वालियर।** ग्वालियर में कांग्रेस को शुक्रवार को उस समय एक और झटका लगा जब स्थानीय राजनीति में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नजदीकी एवं विश्वासपात्र माने जाने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. दिलीप समाधिया ने अपने सैंकड़ों समथकों एवं सहयोगियों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। डॉ. दिलीप समाधिया को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं भाजपा के न्यू ज्वाइनिंग टोली प्रमुख पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भगवा पट्टिका पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। डॉ. दिलीप समाधिया कई वर्ष तक ग्वालियर जिला कांग्रेस कमेटी की चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रहे हैं। विगत विधानसभा चुनाव में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने

उन्हें अपने विधानसभा क्षेत्र राहू में कांग्रेस का प्रचार प्रसार प्रभारी बनाया था।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भाजपा परिवार में डॉ. दिलीप समाधिया का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा डा. समाधिया के अनुभव, वंचितों व समाज के कमजोर वर्ग के प्रति सेवा भाव एवं राजनीतिक क्षेत्र में प्रदर्शित ईमानदारी, शुचिता एवं संकल्प शक्ति का लाभ उठाएगी। श्रीमंत सिंधिया ने इस अवसर पर सभी नवांगुतक नेताओं व कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने का आह्वान किया। डॉ. समाधिया ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद अपने सभी उपस्थित समर्थकों को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा करने के अभियान में जुटने एवं लोकसभा चुनाव में भाजपा को अधिकाधिक मतों से विजयी बनाने का संकल्प दिलाया। ज्ञातव्य है कि डॉ. दिलीप समाधिया की ग्वालियर चंबल अंचल में पहचान एक प्रखर राजनेता के रूप में तो है ही, इसके अलावा उन्हें निर्धन, वंचित व कमजोर वर्ग की बस्तियों में नियमित रूप से निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करने एवम निशुल्क दवा वितरण के लिए भी जाना जाता है।

# गर्मी में राहत के लिए जेसीआई ग्लोबल ने लगाया शीतल जल प्याऊ

**ग्वालियर।** गर्मी की दस्तक होते ही समाजसेवी संस्थाओं द्वारा राहगीरों की प्यार दिखाने के लिए जगह-जगह प्याऊ लगवाए जाते हैं जिसमें जेसी ए ग्लोबल द्वारा रॉक्सी रोड पर पंडित द्वारा विधिवत विधिपूर्वक पूजन अर्चना कर शीतल जल के प्याऊ का उद्घाटन किया।

ग्लोबल जेसीज द्वारा गर्मी में राहगीरों के लिए शीतल जल प्याऊ रोक्सी रोड श्री सहाब कॉम्पलेक्स माधौगंज ग्वालियर पर लगाई पंडित द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर प्याऊ का उद्घाटन किया। प्याऊ का उदघाटन जेसी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल जैन, नरेन्द्र अग्रवाल, ज्योतिषचार्य हुकूमचंद जैन, डॉ बीएल शर्मा, पूर्व अध्यक्ष राजू गर्ग, दुर्गेश गुप्ता, पवन शर्मा, सविता अग्रवाल, अमित परवाल, ग्लोबल के अध्यक्ष मुकेश चौरसिया, कोषाध्यक्ष शैलेष चौरसिया, उपाध्यक्ष संजय सपरा, अनुराग जैन, चिरायु अग्रवाल, अदिति अग्रवाल, मीडिया प्रभारी राजू पंडित आदि उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी/ प्रकाशक संपादक पी.डी. सोनी के लिए मुद्रक सुरेन्द्र ठाकुर कंचन ऑफसेट पंचवटी वस्त्र नगर कालोनी से मुद्रित एवं जटार गली लक्ष्मीगंज लश्कर ग्वालियर से प्रकाशित। संपादक : पीडी सोनी, ( समाचार चयन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के तहत जिम्मेदार ) किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र ग्वालियर ( म.प्र. ) होगा, मो.नं. 94253-41799,8889498377 Email: pdsoni60@gmail.com